...(Interruptions)... Now, Shri Sanjiv Kumar. *...(Interruptions)...* There is agreement of the whole House. Everybody agrees, then what you have to say? Everybody agrees. All are agreeing, बैठिए। *...(Interruptions)...* Now, Shri Sanjiv Kumar.

Frequent deaths due to cancer in Jharia, District Dhanbad

श्री संजीव कुमार (झारखंड) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन का ध्यान झारखंड के कोयलांचल के झरिया इलाके में कैंसर से लगातार हो रही मौत की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, अब तक मेरी जानकारी के अनुसार सिर्फ धनबाद जिले के झरिया इलाके में विगत 6 महीने में कैंसर से करीब 7 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि यह आशंका जतायी जा रही है कि इस भयंकर बीमारी से सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और उससे कई गुणा लोग इससे ग्रसित हैं। इस बीमारी के फैलने का सिर्फ एक ही कारण है – प्रदूषण, जो बीसीसीएल के भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा कोयला खनन एवं इसकी ढुलाई में अनियमितता के कारण है।

महोदय, इस संबंध में झारखंड के हिन्दी दैनिक समाचार "हिन्दुस्तान" के 25.03.2015 के अंक में एक विस्तृत रिपोर्ट छपी है, जो दिल दहलाने वाली है। इस संबंध में धनबाद नगर निगम पार्षद अनूप कुमार साव ने मुख्य मंत्री, झारखंड के अलावा धनबाद लोक सभा सांसद एवं मुझे भी एसओएस संदेश भेजा है तथा आवश्यक मदद की मांग की है। अतः मैं आपके माध्यम से सर्वप्रथम यह मांग करता हूं कि विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों की एक टीम झरिया भेजी जाए एवं पीड़ितों को उचित राहत के साथ-साथ इस महामारी को रोकने की उचित व्यवस्था की जाए क्योंकि बीसीसीएल डायरेक्टली मिनिस्ट्री ऑफ कोल, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के अंतर्गत आता है और यह सरकार की जिम्मेदारी है।

महोदय, मैं पहले भी इस सदन के संज्ञान में यह बात लाया था कि पूरा कोयलांचल भारी प्रदूषण की चपेट में है। लोग टीबी, अस्थमा, कैंसर से ग्रसित हो रहे हैं। जिनके पास साधन हैं, वे दिल्ली, कोलकाता, वैल्लोर आदि जगहों पर जाकर अपना इलाज करवाते हैं क्योंकि वहां पर इलाज का कोई साधन नहीं है। कोयलांचल धनबाद में एक मेडिकल कॉलेज है जो खुद बीमार है, लेकिन दूसरी ओर गरीब लोग बेमौत मारे जा रहे हैं।

कोयला एवं तांबा, लोहा, बॉक्साइट इत्यादि खनिज झारखंड के लिए श्राप बन गए हैं। कोयला एवं खनिज ने झारखंड के जल, जंगल एवं जमीन को तबाह कर दिया है। इसके खनन एवं ढुलाई में अनियमितता के कारण हुए प्रदूषण से कैंसर, टीबी एवं अस्थमा से लोग मर रहे हैं। कोयलांचल के बीसीसीएल एवं भ्रष्ट सीबीआई, पुलिस और इन्कम टैक्स के अधिकारियों की आपसी सांठ-गांठ के कारण बीसीसीएल को रोज करोड़ों का चूना लग रहा है। जहां तक भू-माफिया एवं बिल्डर्स लॉबी का सवाल है, इन्हें खुश करने के लिए बीसीसीएल के भ्रष्ट अधिकारी जमींदार जैसा व्यवहार करते हैं। ये सब बातें बरसों से चली आ रही हैं एवं सरकार को सब कुछ पता है।

महोदय, पिछले सत्र में मैंने इस सदन में मौजा करमाटांड, जिला धनबाद में करीब 98 एकड़ जमीन के बदले करीब 104 लोगों को 1990 के दशक में बीसीसीएल में नौकरी देने के बाद बिना किसी

कारण उनकी नौकरी गैर-कानूनी ढंग से डिसकंटीन्यु करने का मामला उठाया था। उनकी नौकरी करीब एक साल पहले से पुनः डिंसकटीन्यु कर दी गयी है। उनका अपराध सिर्फ इतना ही है कि उन्होंने गैर कानूनी ढंग से ...**(समय की घंटी)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time over. ...*(Interruptions)*... Time over. Shri S. Muthukaruppan. ...*(Interruptions)*... Shri S. Muthukaruppan.

श्रीमती रेणुका चौधरी (आन्ध्र प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (झारखंड) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री सालिम अन्सारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, those who associate, may be added. Shri S. Muthukaruppan. ...*(Interruptions)*... All names will be added. ...*(Interruptions)*... It is not going on record. Yes, Shri Muthukaruppan, please.

Proposed construction of dam by Karnataka Government across Cauvery river against the Award given by Cauvery Tribunal

SHRI S. MUTHUKARUPPAN (Tamil Nadu): Hon. Deputy Chairman, Sir, I would like to raise the serious and important issue of Tamil Nadu farmers, especially, delta farmers of Tamil Nadu. Sir, my Leader, Puratchi Thalaivi, Amma, approached the Supreme Court and the Cauvery Water Disputes Tribunal and the final decision has been published in the official Gazette on 19.2.2013. On 2.9.2013, my leader, hon. Amma, had urged the Government of India to advise the Government of Karnataka not to take up any schemes including hydro electric projects in the Cauvery River Basin of Karnataka, without prior consent of the Government of Tamil Nadu.

On 12.11.2014, a news-item appeared in the Times of India that the State of Karnataka has invited global Expression of Interest for the technical feasibility study for the construction of dams at Mekedatu in the Cauvery River Basin. On the very same day, on 12.11.2014, under the able guidance of my leader, hon. Amma, the Government of Tamil Nadu brought to the notice of the hon. Prime Minister of India the unilateral action of the State Government of Karnataka, which will affect the interests of Tamil Nadu farmers, and, which was the violation of the final award notified in the official Gazette.

I urge the hon. Prime Minister of India and the Government of Karnataka to withdraw the notice inviting Global Expression of Interest for technical study to construct reservoir at Mekedatu across Cauvery River. Under the valuable guidance of hon. Amma, the Tamil Nadu Assembly passed a unanimous resolution seeking the Central Government's intervention to advise the State of Karnataka not to proceed with the construction of two new dams at Mekedatu, in the guise of drinking water supply through the Cauvery Neeravari Nigam Limited and stop them till Cauvery Management Board is formed. I urge the Government of India, that is, the Ministry of Environment and Forests, not to grant any clearance to any of the project proposed by Karnataka at Cauvery Basin till the Cauvery Management Board is formed.

Under the guidance of hon. Amma, on 27.3.2015, an all-Party delegation of Members of Parliament, both from Lok Sabha and Rajya Sabha, from Tamil Nadu met the hon. Prime Minister of India and presented him a unanimous Resolution which was passed in Tamil Nadu Legislative Assembly. I appeal to the hon. Prime Minister of India to request